डेयरी फार्म प्रबंधन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजुवास द्वारा 2 माह की अवधि के कुछ सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार किया गया। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को उन्नत ज्ञान हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा। इन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप ऐसा है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण कर ले तो स्वयं का फार्म स्थापित करने में सक्षम होगा। वह व्यक्ति जो आठवीं स्तर तक शिक्षित हैं, इन पाठ्यक्रमों हेतु नामांकन के लिए पात्र होगा।

1. **पाठ्यक्रम का नाम**–डेयरी फार्म प्रबंधन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
2. **उद्देश्य**–निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन ऐसे उद्यमियों को विकसित करना है जो वैज्ञानिक दृष्टि से फार्म अथवा इकाई की स्थापना एवं प्रबंधन कर सकें।
   अ. युवा किसानों तथा उद्यमियों की दक्षता वृद्धि
   ब. युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना
   स. पशुपालन कार्यक्रम के प्रति युवाओं की रूचि बढाना
   द. प्रतिभागियों को वैज्ञानिक तथा संगठित फार्म से सम्बंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना
3. **प्रवेश योग्यता**–मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष
4. **समय अवधि**–दो माह
5. **न्यूनतम सीट**–5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)
6. **शुल्क राशि**–1000/– रू. प्रतिमाह
7. **पाठयक्रम का माध्यम**–हिन्दी
8. **परीक्षा की विधि**–संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल प्रशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेंगें।
9. **प्रवेश प्रक्रिया**–विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठ्यक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
10. **अनुशासन नियमावली**–नियमानुसार संलग्न।
11. **संपर्क सूत्र**–प्रो. बंसत बैस, आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
    डॉ. अरूण कुमार, सहायक आचार्य, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 941300587

12. पाठ्यक्रम–निम्नानुसार

सैद्धांतिक पाठ्यक्रम

1. प्रस्तावना भारत और विशेषकर राजस्थान में डेयरी फार्मिंग का महत्व विभिन्न स्वदेशी और विदेशी गोवंश नस्लों का परिचय
2. फार्म पशुओं के शारीरिक बिन्दूओं का परिचय,
3. फार्म पशुओं तक पहुँच, संभाल और निग्रहण
4. डेयरी फार्म श्रम प्रबंधन
5. डेयरी फार्मिंग में सामान्य प्रबंधन पद्धतियां यथा बंध्याकरण, सींग ठापना और सींग काटना, ग्रूमिंग, अवगुणों (गलत आदतें) का निवारण और नियंत्रण अभिनिर्धारण के तरीके चिह्न लगाना, गुदना, ब्रैन्डिंग, टेगिन्ग और इलेक्ट्रॉनिक चिप आदि
6. डेयरी पशुओं का दंतोद्भेदन और आयु निर्धारण
7. डेयरी पशुओं का विभिन्न मापन पद्धतियों द्वारा शरीर भार का निर्धारण
8. बछडों, हिफर, गर्भस्थ, दुधारू, बिना दूध देनेवाले पशुओं, सांडों आर कर्मठ पशुओं की प्रबन्ध रीतियां
9. बछडों, पालन रीतियाँ, डेयरी बछड़े की दूध छुड़वाने से 3 महीनों तक देखभाल
10. डेयरी पशुओं में मद का पता लगाना
11. गर्भस्थ पशुओं की पहचान और देखभाल, नवजात और छोटे पशुधन की देखभाल
12. कृत्रिम प्रजनन हेतु सांडों का प्रशिक्षण और खानपान
13. डेयरी पशुओं की आवास अभिन्यास आयोजना और पद्धतियां
14. स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, नित्य डेयरी फार्म प्रचालन प्रणालियाँ, दुहने के तरीके, सावधानियां, दूध की मात्रा एवं गुणवत्ता प्रभावित करने वाले कारक
15. स्वस्थ एवं रुग्ण जानवरों की पहचान
16. फार्म पशुओं के सामान्य तापक्रम, नब्ज और श्वसन दर का अभिलेखन
17. बाह्य एवं अन्तः परजीवियों से बचाव।
18. फार्म पशुओं में औषधि क्षेपण की विधियाँ
19. विभिन्न फार्म दस्तावेजों का संधारण

<u>प्रायोगिक</u>

चार्ट, माडलों और मूलभूत प्रयोगशाला की सुविधाएं और फार्म प्रथाओं के माध्यम से निम्नलिखित का आरम्भिक व्यावहारिक अध्ययन

1. पशु शाला में पशुओं का प्रबंधन एवं निग्रहण
2. डेयरी पशुओं का भार तोलना एवं पहचान
3. नर बछड़े का बधियाकरण एवं सींग ठापना
4. सामान्य तापक्रम, नब्ज और श्वसन का अभिलेखन, डेयरी पशुओं के विभिन्न शारीरिक अंगों का परिचय
5. पशु शाला और दुग्ध बर्तनों के विसंक्रमिकरण की विधियाँ
6. बछडे, गर्भवती गाय, दुधारू गाय की देखभाल एवं प्रबंधन
7. पशुओं को दुहने की विधियाँ
8. डेयरी फार्म का भ्रमण